

## प्रदेश को मिला नया कर्माझरि अभयारण्य

### चर्चा में क्यों?

26 जुलाई, 2022 को राज्य शासन द्वारा पेंच टाइगर रज़िर्व के सीमावर्ती वन क्षेत्र को शामिल करते हुए नवीन कर्माझरि अभयारण्य का गठन किये जाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है।

### प्रमुख बिंदु

- प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) जसबीर सहि चौहान ने बताया कि नवगठित कर्माझरि अभयारण्य में सविनी ज़िले के 420 हेक्टेयर वन क्षेत्र को शामिल किया गया है।
- इसके गठन से टाइगर रज़िर्व के प्रबंधन को मज़बूती मिलेगी और शाकाहारी एवं मांसाहारी वन्य-प्राणियों को अतिरिक्त रहवास स्थल उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही, प्रदेश में वन्य-प्राणी बहुल क्षेत्र को शामिल करते हुए संरक्षित क्षेत्र के रकबे में वृद्धि होगी।
- उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्रदेश में 24 अभयारण्य हैं। शविपुरी के करेरा अभयारण्य को डिनोटिफाई किया गया है। इस प्रकार कर्माझरि अभयारण्य के गठन के बाद संख्या कुल 24 ही रहेगी।
- राज्य शासन ने भारत सरकार से प्राप्त स्वीकृति के बाद एक और महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी करते हुए शविपुरी ज़िले के करेरा में 21 वर्ग कमी. क्षेत्र में बने वन्य-प्राणी अभयारण्य को समाप्त कर दिया है। इससे इस क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है।
- उल्लेखनीय है कि करेरा वन्य प्राणी अभयारण्य का गठन 1981 में सोन चड़िया के संरक्षण के लिये किया गया था। इसमें केवल राजस्व और नज़ी भूमि शामिल थी। अभयारण्य की अधिसूचना के बाद से अधिसूचना में शामिल भूमि के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।